UKG-22-(13) (A2)
AKS (23) (A1)

सामान्य अध्ययन (टेस्ट - V)

GENERAL STUDIES (Test - V)

मॉड्यूल - V / Module - V

DTVF/17–M–**GS5**

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Anil

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ [ ] नहीं [ ]

मोबाइल नं. (Mobile No.): ____

ई-मेल पता (E-mail address): ____

टेस्ट न. एवं दिनांक (Test No. & Date): ____

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]: ____

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): Hindi

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Anil

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

MARKS	69.5/250
Introduction	B
Context	B
Language	B
Content	C+
Conclusion	B
Structure	B
Current Link / Examples	—

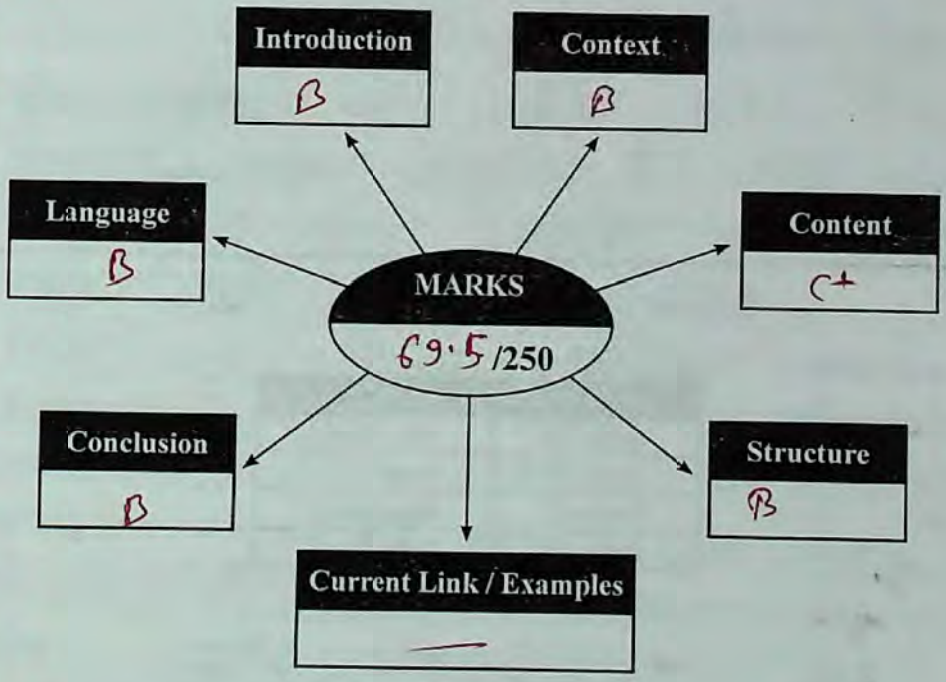

Copyright – Drishti The Vision Foundation

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

विषय-वस्तु को और उन्नत करें।

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
Grade 'B'	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

1. "प्रतिस्पर्द्धात्मक संघवाद यद्यपि निवेश और प्रतिभा को आकर्षित करने के संबंध में परिवर्तन का शक्तिशाली एजेंट होता है, परतु अनिवार्य सेवाओं की डिलीवरी के संबंध में यह अपेक्षाकृत कमज़ोर रहा है।" भारतीय राज्यों के संदर्भ में उक्त कथन की व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Although the competitive federalism is a powerful agent of change in relation to attracting investment and talent but with regard to the delivery of essential services it has been comparatively weak." Explain the statement given above with reference to the Indian states. (250 words) 12.5

प्रतिस्पर्द्धात्मक संघवाद से तात्पर्य होता है, राज्यों के मध्य स्वस्थ्य प्रतिस्पर्द्धा होते हुए ~~एक संघ~~ ~~का~~ सशक्त संघ की स्थापना करना। संघीय शासन व्यवस्था से संबंधित राष्ट्रों में ~~प्रति~~ राष्ट्र के विकास के लिए प्रतिस्पर्द्धात्मक संघवाद और आवश्यक हो ~~स~~ जाता है।

प्रतिस्पर्द्धात्मक संघवाद, निवेश और प्रतिभा को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वस्तुत: राज्यों के मध्य प्रतिस्पर्द्धा होने से राज्य ~~अपने~~ अवसंरचना विकास, निवेश के अनुकूल माहौल, कर रियायत, सुरक्षा, इत्यादि सुविधाएँ प्रदान करते हैं, जिससे कंपनियां राज्य में निवेश हेतु प्रोत्साहित होती है। उदाहरण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

निवेश आकर्षित करने के लिए 'इंवेस्टर्स मीट' का आयोजन करना।

~~किंतु~~ प्रतिस्पर्धात्मक संघवाद अनिवार्य सेवाओं की डिलीवरी को भी सुदृढ़ करता है। वस्तुतः ~~इन~~ राज्यों के मध्य प्रतिस्पर्धा होने से प्रशासन की कार्यकुशलता बढ़ती है और वह सार्वजनिक सेवाओं को अधिक जनोन्मुखी बनाने का प्रयास करता है।

किंतु भारत में प्रतिस्पर्धात्मक संघवाद सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी करने में अपेक्षाकृत कमजोर रहा है। भारत में अभी भी सभी क्षेत्रों का विद्युतीकरण नहीं हो पाया है, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित नहीं हो पाई है। उ. गोरखपुर में स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव से हुई बच्चों की मौत, इसका उदाहरण है। आज तक सार्वजनिक वितरण प्रणाली ~~का~~ में लीकेज की समस्या का समाधान नहीं किया जा सका है।

कुछ अन्य उदाहरणों यथा → गुजरात, राजस्थान आन्ध्रप्रदेश इत्यादि की भी चर्चा करें

→ परिवहन
• स्वच्छ पेय जल संबंधी चुनौतियों की चर्चा करें

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

~~उपसंहार~~ यद्यपि कि भारत के सभी राज्य प्रतिस्पर्धात्मक संघवाद में सार्वजनिक सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित नहीं कर पाए, किंतु प्रतिस्पर्धात्मक संघवाद की अवधारणा ने कुछ राज्यों को सेवा प्रदाता की भूमिका में सुधार हुआ है। उदाहरण के लिए छत्तीसगढ़ का सार्वजनिक वितरण प्रणाली मॉडल कर्नाटक द्वारा ई. गवर्नेंस को प्राथमिकता दिया जाना।

अतः एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धी संघवाद में आवश्यकता है, जिसमें समावेशी विकास पर बल दिया जाए।

4 1/2

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	.25	2	1 1/2	.25	.25	.25	
Grade	B	A	B	B	B	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

2. "परिचालन में नकदी का अनुपात बढ़ने से भ्रष्टाचार के मामलों में भी इजाफा होता है।" पारदर्शिता अंतर्राष्ट्रीय (Transparency International) द्वारा किये गए इस आकलन की भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए हालिया विमुद्रीकरण के संदर्भ में पुष्टि कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Increased ratio of cash in circulation also increases corruption related cases." Substantiate this assessment conducted by transparency international in the context of recent demonetization in the Indian economy. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

पारदर्शिता अंतर्राष्ट्रीय का मानना है कि यदि किसी भी देश में अर्थव्यवस्था में नकदी का अनुपात बढ़ रहा है, तो वह भ्रष्टाचार को बढ़ावा देगा।

द्वारा जारी आंकड़ों की भी चर्चा करें

भारत में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से ₹500 और ₹1000 के नोटों को विमुद्रीकृत कर दिया गया।

भारत में GDP नकदी अनुपात का उल्लेख करें

कब?

वस्तुतः जब नकद में भुगतान होता है, तो इससे कालाधन में वृद्धि होती है। सरकार के पास सही आंकड़े नहीं होते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नकद में भुगतान होने से कर चोरी की समस्या देखने को मिलती है।

नकद में भुगतान करने से राज्य में अबंधित गतिविधियां जैसे- हवाला इत्यादि को प्रश्रय मिलता है।

भारत में विमुद्रीकरण के पश्चात यह अनुमान लगाया जा रहा है कि अब भ्रष्टाचार, कालेधन जैसी समस्या पर अंकुश लगेगा। सरकार के कर संग्रहण में वृद्धि होगी। जिससे सरकार जन कल्याणकारी योजनाओं एवं अवसंरचना पर अधिक व्यय करने में सक्षम होगी।

भारत में अधिक नकदी होने के कारणों की चर्चा करें।

3

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	.25	1 1/4	1	.25	—	.25	
Grade	B	B	C	B		B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

3. "न्यायसंगत समाज में प्रत्येक व्यक्ति को न्यूनतम आय की गारंटी देने की आवश्यकता है।" कथन की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"In a justified society there is a need to guarantee minimum income to each person." Critically explain the statement. (250 words) 12.5

अभी हाल ही भारत में प्रत्येक व्यक्ति को न्यूनतम आय की गारंटी प्रदान करने की बात कही गई। इस संबंध में इसके समर्थकों ने निम्न तर्क दिए -

→ न्यूनतम आय निर्धारित होने से न्यायसंगत समाज की स्थापना होगी। क्योंकि न्यायसंगत समाज के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति की ~~उसकी~~ मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो।

→ भारत में गरीबी एक बड़ी समस्या है, न्यून आय प्रदान करने से इससे निपटना आसान होगा।

→ न्यूनतम आय प्रदान करने से व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति होगी, ऐसे में वह ~~मूल्य~~ मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति से संबंधित चिंता

संविधान में वर्णित सामाजिक-आर्थिक न्याय एवं आजीविका संबंधी अधिकार की चर्चा करें

पुनरावृत्ति न करें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

से दूर होगा और वह अपने भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए प्रयत्नशील होगा।

→ न्यूनतम आय प्रदान करने से बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा, जिससे भारत जनांकिकीय लाभांश प्राप्त कर सकेगा।

→ न्यूनतम आय प्रदान करने से व्यापक संसाधनों का उचित वितरण सुनिश्चित हो सकेगा जो कि हमारे संवैधानिक आदर्शों - सामाजिक, आर्थिक न्याय के अनुकूल होगा।

→ वर्तमान में चल रही विभिन्न योजनाओं में भारी भ्रष्टाचार व्याप्त है। यदि न्यूनतम आय प्रदान की जाएगी, तो कल्याणकारी योजनाओं की समाप्ति हो जाएगी और लीकेज की समस्या समाप्त होगी।

किंतु न्यूनतम आय प्रदान करने में निम्नलिखित समस्याएं भी हैं _

→ सामाजिक असंतोष में कमी
→ क्रय शक्ति में वृद्धि
→ मांग व उत्पादन में वृद्धि
→ महिला स्वतंत्रता को बढ़ावा देने में इत्यादि की भी चर्चा करें

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

→ न्यूनतम आय भारत के प्रत्येक क्षेत्र के लिए समान नहीं हो सकती, अतः इसका निर्धारण कठिन है।

→ न्यूनतम आय प्रदान करने के लिए सरकार के पास संसाधनों का अभाव है।

→ न्यूनतम आय प्रदान करने के बाद, यह समस्या रहेगी कि राशि का कोई दुरुपयोग न हो। जैसे - मद्यपान या सट्टेबाजी इत्यादि।

वित्तीय दबाव में वृद्धि

लैंगिक द्वंद्व लैंगिक विसंगति बढ़ने की संभावना इत्यादि की भी चर्चा करें

उपरोक्त विश्लेषण के पश्चात हम कह सकते हैं, कि न्यूनतम आय प्रदान करने से संसाधनों का उचित वितरण आम जन के बीच निश्चित हो सकेगा और सामाजिक एवं आर्थिक न्याय स्थापित होगा। किंतु सर्वप्रथम उपरोक्त चुनौतियों का समाधान आवश्यक है।

→ कैसे - सुझाव दें।

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	.25	1½	1	.25	—	.25	
Grade	B	B	C	B		B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. निर्यात की मात्रा विभिन्न आंतरिक एवं अंतर्राष्ट्रीय कारकों से प्रभावित होती है। इस संदर्भ में भारत सरकार द्वारा 'निर्यात संवर्द्धन' के लिये उठाए गए विभिन्न कदमों की विवेचना कीजियें। 12.5
(250 शब्द)

Export volume is affected by various internal and international factors. In this context discuss the various steps taken by the government of India for 'Export Promotion'. 12.5
(250 words)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

निर्यात की मात्रा आंतरिक एवं अंतर्राष्ट्रीय कारकों से प्रभावित होती है। ~~वस्तुतः~~ वर्तमान के भूमण्डलीकरण के युग में विश्व के गाँव के रूप में परिवर्तित हो गया है। अतः प्रत्येक अंतर्राष्ट्रीय घटना एवं प्रत्येक देश की अंतर्राष्ट्रीय घटना निर्यात को प्रभावित करती है।

थोड़ा संक्षेप में चर्चा करें

आंतरिक कारक ⇒

→ किसी देश में ~~ऐसी~~ उत्पादन अधिशेष की स्थिति होनी चाहिए, जिसका निर्यात किया जा ~~सका~~ सके।
→ देश के अंदर उत्पादन हेतु अनुकूल वातावरण होना चाहिए, जैसे - अवसंरचना का विकास, वित्तीय सेवाओं का सुदृढ़ होना इत्यादि।
→ ऐसी वस्तुओं का उत्पादन हो जिनकी विश्व बाजार में माँग हो। उदाहरण के लिए सेवा क्षेत्र।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

→ आंतरिक क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी चुनौतियां न हो, जिससे उत्पादन में वृद्धि हो सके और व्यापार को बढ़ावा मिले।

अच्छा प्रयास

अंतर्राष्ट्रीय कारक ⇒

थोड़ा संक्षेप में चर्चा करें

→ यदि कोई देश अपने देश की मुद्रा का अवमूल्यन करता है तो इससे अन्य देशों के निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

→ राष्ट्रों द्वारा अपनाई जाने वाली संरक्षणवादी नीति।

→ किसी देश द्वारा किसी अन्य देश के साथ 'मुक्त बाजार समझौता' इत्यादि करने से भी निर्यात पर प्रभाव पड़ता है।

→ विश्व में आर्थिक मंदी आने पर निर्यात हतोत्साहित होता है।

भारत सरकार ने अपने निर्यात को बढ़ाने के निम्न कदम उठाए हैं –

→ सरकार ने ~~अंतर~~ नई अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नीति घोषित की है, जिसमें व्यापार को दोगुना कर 500 बिलियन डॉलर करने का लक्ष्य

तथ्यों की जाँच अवश्य कर लें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space.)

निर्धारित किया है।

→ सरकार ने उद्यमिता बढ़ाने के लिए 'स्टैण्ड अप' 'स्टार्ट अप इण्डिया' जैसे कार्यक्रम विकसित किए।

→ भारत में युवा जनसंख्या अधिक है। अतः जनांकिकीय लाभांश प्राप्त करने के लिए 'कौशल विकास योजना' प्रारंभ की गई।

→ सरकार ने विभिन्न देशों के साथ 'मुक्त व्यापार समझौते' किए हैं। जैसे - आसियान देशों के साथ।

अतः निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि यदि भारत अपने निर्यात में वृद्धि करता है, तो भारत में उत्पादन में वृद्धि होगी, रोजगार में वृद्धि होगी और आर्थिक संवृद्धि दर में वृद्धि होगी और भारत एक आर्थिक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	.25	1/2	1	.25	—	.25	
Grade	B	B	C	B		B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

5. "यद्यपि भारतीय उद्योग तेजी से बढ़ रहे हैं परंतु आधारभूत उद्योगों में से एक उर्वरक उद्योग अपनी घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति में भी निरंतर अक्षम रहा है।" कथन के संदर्भ में भारतीय उर्वरक उद्योग के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का विवरण दें तथा इनसे निपटने के उपायों पर चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Although Indian industry is growing steadily but the fertilizer industry being one of the basic industries, has been consistently unable to fulfill its domestic needs." In the context of the statement, describe the challenges before the Indian fertilizer industry and discuss the measures to deal with them. (250 words) 12.5

भारत आज 'क्रयशक्ति क्षमता' की दृष्टि से विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत में सेवा क्षेत्र अत्यंत सुदृढ़ स्थिति में है। किंतु एक दूसरा पहलू यह भी है कि भारत एक कृषि आधारित अर्थव्यवस्था होने के बावजूद भी वर्तमान में उर्वरक उद्योग इतना सक्षम नहीं है कि वह घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति कर सके।

भारत में उर्वरक उद्योग के समक्ष निम्नलिखित चुनौतियां विद्यमान हैं →

→ उर्वरक उद्योग को पर्याप्त में गैस की आवश्यकता होती है, किंतु उसे पर्याप्त मात्रा में गैस प्राप्त नहीं हो रही है।

भारत में उर्वरक उद्योग की स्थिति पर, माँग, आपूर्ति, आयात एवं इत्यादि की चर्चा करें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

→ उर्वरक उद्योग आज भी प्राचीन तकनीक एवं मशीनों का उपयोग कर रहा है, जिससे उसकी उत्पादकता सीमित है।

→ सरकार द्वारा उर्वरक उद्योग को संरक्षण प्रदान नहीं किया जा रहा है।

→ उर्वरक उद्योग में तकनीकी नवाचार एवं कर्मचारियों के कौशल उन्नयन का अभाव है।

→ उर्वरक उद्योग आधारभूत सुविधाओं जैसे- विद्युत आपूर्ति की समस्या, भण्डारण की समस्या इत्यादि।

उर्वरक उद्योग को सुदृढ़ बनाने के लिए निम्न प्रयास किए जाने चाहिए-

→ सर्वप्रथम उर्वरक उद्योग में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा दिया जाए।

→ उर्वरक उद्योग को 'गैस' की पर्याप्त उपलब्धता

→ कच्चे माल का अभाव
→ अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अस्थिरता
→ निवेश का अभाव इत्यादि की भी चर्चा करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

सुनिश्चित की जाए।

→ आधारभूत ढांचे जैसे- भण्डारण, परिवहन एवं विद्युत उपलब्धता को सुनिश्चित किया जाए।

→ सरकार को उर्वरक उद्योग को संरक्षण देने की आवश्यकता है।

भारत एक कृषि प्रधान राष्ट्र है। अतः यहाँ उर्वरक उद्योग को सुदृढ़ अवस्था में लाना अनिवार्य है। इस दिशा में सरकार द्वारा 'नीम कोटेड यूरिया' को प्राथमिकता दिया जाना बेहतर कदम है। किंतु उर्वरक उद्योग की चुनौतियों के समाधान का प्रयास किया जाना चाहिए।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	.25	2	1 1/4	.25	—	.25	
Grade	B	A	B	B		B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

6. खाद्य सुरक्षा से आगे बढ़कर पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की राह में दलहन समस्या मुख्य बाधा है। इस बाधा पर चर्चा कीजिये और बताएँ कि इसे कैसे दूर किया जा सकता है? (250 शब्द) 12.5

Pulses Problem is the main obstacle in the path of ensuring nutritional security ahead of food security. Discuss this obstacle and tell how it can be overcome. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारत में खाद्य सुरक्षा में चावल, मोटे अनाज एवं गेहूँ को प्राथमिकता दी जाती है, किंतु वर्तमान में पोषणयुक्त खाद्य सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। पोषणयुक्त खाद्य सुरक्षा में सबसे बड़ी बाधा भारत में 'दलहन के अभाव' की समस्या है। दलहन प्रोटीन का मुख्य स्रोत होती है और इसके अभाव से भारत में मातृ मृत्यु, शिशु मृत्यु दर एवं कुपोषण की समस्या देखने को मिलती है।

पोषण सुरक्षा को परिभाषित करें।

भारत में 'दहलन का अभाव' मुख्य समस्या है, जिसके निम्नलिखित कारण हैं—

→ भारत में वर्तमान में गेहूँ, चावल एवं व्यापारिक फसलों ~~पर~~ ~~अधिक~~ के उत्पादन पर

दलहन उत्पादन की वर्तमान स्थिति को बताएँ।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अधिक बल दिया जा रहा है, जिससे दलहन का उत्पादन हतोत्साहित हुआ है।

→ भारत में दलहन फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं दिया जाता जिससे किसान इन फसलों के उत्पादन को महत्व नहीं दे रहे हैं।

→ भारत में उच्च गुणवत्ता के दलहन बीज उपलब्ध नहीं है जिससे भारत में प्रति हेक्टेयर उत्पादन कम है।

→ भारत में मात्र 40% क्षेत्र में ही सिंचाई सुविधा उपलब्ध है।

→ भारत में फसल के विक्रय * परिवहन एवं भण्डारण की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

भारत में दलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए निम्न उपाय किए जाने चाहिए –

→ भारत में GM बीज को बढ़ावा दिया जाए, जिससे दलहन

- सार्वजनिक निवेश का अभाव
- तकनीकी अल्पकालता
- जैविक कारक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

फसलों के उत्पादन में वृद्धि दे।

→ दलहन फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य से जोड़ा जाए, जिससे किसान फसलों के उत्पादन को प्राथमिकता दें।

→ सिंचाई के पर्याप्त साधन विकसित किए जाएं।

→ किसानों को दलहन फसल — उपजाने हेतु प्रेरित किया जाए। इसमें 'किसान मित्र' एवं संचार साधनों का सहयोग लिया जा सकता है।

→ परिवहन, विक्रय एवं भण्डारण की उत्तम व्यवस्था हो। इसमें 'ई-नाम' योजना महत्वपूर्ण हो सकती है।

वर्तमान में पोषणयुक्त खाद्य सुरक्षा प्रदान करने की आवश्यकता है। अतः दलहन फसलों के उत्पादन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

अन्य उपायों को भी लिखें

4½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1½	0.25	—	0.25	
Grade	B	D	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. "प्रथम विश्व युद्धोत्तरकालीन अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की दुर्बलताएँ ही द्वितीय विश्व युद्ध का मूल कारण सिद्ध हुई।" आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The weaknesses of the international order in the time of post World War I were proved the root cause of World War II." Critically examine. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

प्रथम विश्व युद्ध के दो दशक पश्चात् ही द्वितीय विश्व युद्ध हो गया। अतः ~~विचारक~~ इतिहासकार द्वितीय विश्व युद्ध के कारणों में प्रथम विश्व युद्धोत्तरकालीन अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को उत्तरदायी मानते हैं।

प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात 'पेरिस शांति समझौता' किया गया, जिसमें राष्ट्रों ने अपने हितों को प्राथमिकता दी और दीर्घकालीन शांति का प्रयास नहीं किया गया। और द्वितीय विश्व युद्ध हुआ, जिसके निम्न कारण हैं-

- पेरिस सम्मेलन में पराजित राष्ट्रों का अपमान किया गया। उदाहरण के लिए जर्मनी का कोयला बहुल सार क्षेत्र फ्रांस को प्रदान किया

Copyright – Drishti The Vision Foundation

गया। जर्मनी की संप्रभुता को भंग करते हुए पोलैण्ड को डेन्जिग बंदरगाह तक जाने के लिए जर्मनी के बीच से रास्ता दिया गया।

इटली के साथ विश्वासघात हुआ। उसे फ्यूम बंदरगाह और अन्य उपनिवेशों पर अधिकार नहीं दिया गया। अतः वह असंतुष्ट हुआ।

→ राष्ट्र संघ की स्थापना हुई। किंतु राष्ट्र संघ शांति स्थापित करने में सफल नहीं रहा, बल्कि वह विजयी राष्ट्रों के हितों की पूर्ति के लिए एक संस्था बन गई। उदाहरण के लिए जब जापान ने चीन पर हमला किया, तो राष्ट्रसंघ ने कोई कार्यवाई नहीं की। जर्मनी के राइनलैण्ड पर अधिकार के विरुद्ध कोई कार्यवाई नहीं की।

· अधिनायकवाद की भावना को

· शस्त्रास्त्रों के प्रति होड़

→ विकसित राष्ट्र उपनिवेशीकरण पर बल दे रहे थे। अतः जब जर्मनी ने 1935 में

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

राइनलैण्ड का सैन्यीकरण किया। निशस्त्रीकरण सम्मेलन से अलग हो गया और 1936 में रोम बर्लिन धुरी का निर्माण किया, पर विकसित राष्ट्रों ने कोई कार्यवाई नहीं की।

सबसे बढ़कर जर्मनी और ~~सुडेटनलैं~~ इटली की जनता को संतुष्ट करने के प्रयास नहीं किया गया और वहाँ तानाशाही शासन स्थापित हुआ।

→ 1929 में आई विश्व आर्थिक मंदी ने भी विश्व में आर्थिक समस्याएँ उत्पन्न की और नाजीवादी एवं फासीवाद का उदय हुआ।

प्रथम विश्व के पश्चात स्थायी शांति हेतु प्रयास नहीं किए गए, जिसका परिणाम था कि 1939 में धुरी राष्ट्रों एवं ~~मित्र~~ राष्ट्रों के बीच युद्ध प्रारंभ हुआ।

निष्कर्ष प्रभावी लिखें।

अच्छा प्रयास

4½

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1½	0.25	—	0.25	
Grade	B	B	C	B	—	B	

Copyright - Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

8. "फ्राँस की क्रांति वैचारिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त होते समाज के असंतोष की अभिव्यक्ति मात्र थी।" विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The french revolution was an expression of discontent of the ideologically and financially empowering society." Analyse. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

फ्रांस में 1789 में क्रांति हुई। वस्तुतः फ्रांस की ~~के~~ सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति ऐसी थी, जिसमें शोषण चरम पर था। अतः वहाँ क्रांति के लिए ~~की~~ पृष्ठभूमि तैयार हुई।

~~भारत~~ फ्रांस में निरंकुश राजतंत्र, कुलीन नौकरशाही विद्यमान थी। के साथ ही समाज में तृतीय स्टेट - किसान, मजदूर, व्यापारी ही ~~क~~ केवल कर चुकाते थे, जबकि इन्हें कोई भी अधिकार प्राप्त नहीं था। ~~और~~ फ्रांस में पादरी वर्ग एवं कुलीन वर्ग विशेष अधिकारों से युक्त था।

ऐसे में जब फ्रांस में रूसो, वाल्टेयर, इत्यादि विचारकों के विचारों

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

का प्रसार हुआ, तो समाज में शोषण से मुक्ति की चेतना जागृत हुई।

इसी क्रम में फ्रांस में एक सशक्त मध्यवर्ग का उदय हुआ, जो आर्थिक रूप से संपन्न था, किंतु उसे सामाजिक सम्मान प्राप्त नहीं था और शोषण का शिकार होना पड़ता था।

अतः मध्यवर्ग ~~जब~~ इन विचारकों के विचारों से प्रभावित हुआ और उसने फ्रांस में शोषणकारी प्रवृत्तियों के विरुद्ध आवाज ~~बुलंद~~ बुलंद की और उसने सत्ता राजा से छीनकर निर्वाचित प्रतिनिधियों ~~को सौंपने~~ को लेकर आंदोलन किया और अंततः 1789 में ~~निर्वा~~ 'सामान्य

फ्रांसीसी क्रांति के कारणों को और स्पष्ट चर्चा करें।

प्रभावों को भी लिखें।

फ्रांसीसी क्रांति पर कुठाराघात

कल्याणकारी राज्य की धारणा

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

सभा, जो कि आम जन की सभा थी, शक्तियां सौंप दी गई और फ्रांस में संवैधानिक राजतंत्र की स्थापना हुई।

अतः हम कह सकते हैं कि फ्रांस की क्रांति वैचारिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त होते हुए समाज की अभिव्यक्ति मात्र थी।

(4)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1	0.25	—	0.25	
Grade	B	B	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

9. जैसे सूर्य की किरणें समस्त संसार में विकसित होती हैं, चाहे आगे या पीछे, वैसे ही प्रज्ञा का प्रकाश किसी एक महाद्वीप तक कैसे सीमित रह सकता है? पुनर्जागरण के दौरान उपजे विचार के संदर्भ में उक्त कथन की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 12.5

As the rays of the sun spread throughout the world, whether early or later similarly, how the light of intelligence can be confined to one continent? Discuss the above statement in relation to the idea that was developed during the Renaissance. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

यूरोप में 17 वीं शताब्दी में पुनर्जागरण हुआ था, जिसमें तर्क - विवेक, कारण - कार्य संबंध, मानवतावाद, पारलौकिक शक्तियों का खण्डन, धार्मिक आडम्बरों का खण्डन एवं तथा ज्ञान विज्ञान पर बल दिया गया।

इसी क्रम में यूरोप में रूसो, वाल्टेयर, मांटेस्क्यू जैसे विचारक हुए, जिन्होंने स्वतंत्रता, समानता, गणतंत्र, शक्ति के प्रथक्करण जैसे विचार दिए।

कोई भी विचार किसी क्षेत्र विशेष तक सीमित नहीं रहते, बल्कि समय के साथ अन्य देशों में भी उनका प्रसार होता है।

पुनर्जागरण को परिभाषित करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

भारत में 19 वीं शताब्दी में पुनर्जागरण हुआ। वस्तुतः जब भारत में पश्चिमी शोषण बढ़ा और ब्रिटिशर्स द्वारा भारत को हीन बताया गया। तो भारतीयों को अपने आत्मावलोकन करने की आवश्यकता महसूस हुई।

वैश्विक सन्दर्भ ~~पुर्न~~ पुनर्जागरण के प्रसार सकारात्मक प्रभावों को लिखें

इसी क्रम में भारत के जहाँ अतीत का वर्णन करते हुए समाज में विद्यमान कुरीतियों जैसे- आडम्बरों, सती प्रथा, विधवा विवाह का न होना, बाल विवाह इत्यादि को समाप्त करने पर बल दिया।

संक्षिप्त लिखें

पुनर्जागरण से प्रभावित राजा राम मोहन राय ने 1829 में सती प्रथा को समाप्त करवाया, ईश्वरचंद्र

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

विद्यासागर के प्रयत्नों से विधवा पुनर्विवाह को बल मिला। दयानंद सरस्वती ने स्वदेशी पर बल दिया। विवेकानंद ने मानवतावाद को प्राथमिकता दी।

पश्चिमी संस्कृति के ज्ञान - विज्ञान को स्वीकार किया गया, तर्क, विवेक पर बल दिया गया और भारतीय स्वतंत्रता को भी पुनर्जागरण ने प्रोत्साहित किया।

अतः हम कह सकते हैं कि यूरोप में प्रारंभ हुआ पुनर्जागरण भारत, अमेरिका इत्यादि देशों का प्रसारित हुआ।

3½

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1½	1	0.25	—	0.25	
Grade	B	C	C	B	—	D	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

10. गुटीय राजनीति के काल में तृतीय विश्व के देशों की एकता व अखण्डता बनाए रखने में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की भूमिका का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Analyze the role of Non-aligned movement to keep maintaining unity and integrity of third world countries in the time of factional politics. (250 words) 12.5

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात शीत युद्ध के दौर में जब विश्व दो अवधारणाओं - पूंजीवाद एवं समाजवाद के रूप बटा था तब ऐसी स्थिति नवक स्वतंत्र देशों जैसे - भारत, इंडोनेशिया मलाया इत्यादि ने स्वतंत्र विदेश नीति पर बल देते हुए देश की एकता, अखण्डता सामाजिक एवं आर्थिक उन्नति को प्राथमिकता दी।

गुट निरपेक्षता को परिभाषित करें।

वस्तुत: तृतीय विश्व के देश किसी भी गुट में शामिल नहीं हुए, ऐसे उन्हें किसी भी गुट का (वारसा या नाटो) सैन्य सदस्य नहीं बनना पड़ा और वे सैन्य प्रतिस्पर्धा की होड़

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

में शामिल नहीं हुए, जिससे उन्हें देश की सामाजिक आर्थिक विकास करने में सहायता मिली।

गुटीय राजनीति में शामिल न होने के कारण किसी भी देश ने किसी भी अन्य देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने से रोका गया।

गुटीय राजनीति में शामिल न होने से तृतीय विश्व के देशों ने दोनों राष्ट्रों - USA एवं सोवियत रूस से आर्थिक एवं तकनीकी सहायता प्राप्त की।

गुटीय राजनीति से दूर रहने से तृतीय विश्व के देशों ने अपना ध्यान देश के सामाजिक - आर्थिक विकास एवं देश की एकता - अखण्डता सुनिश्चित

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रंगभेद नीति का विरोध

विश्वशांति सुरक्षा की स्थापना के लिए प्रयास

इससे सकारात्मक प्रभावों को लिखें।

इसकी सीमाओं का भी उल्लेख करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

करने पर दिया।

अतः हम कह सकते हैं कि गुटीय राजनीति के दौर में ~~स~~ गुट निरपेक्षता ने देशों की एकता एवं अखण्डता में सहायक भूमिका निभाई।

(3)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	—	0.25	
Grade	D	C	C	B	—	D	

दृष्टि The Vision

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9

दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356

ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

11. राज्य के नीति निर्देशक तत्त्वों का क्रियान्वयन किस सीमा तक किया गया है? इसका आलोचनात्मक मूल्याकन कीजिये तथा इनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिये आप किस प्रकार के तरीकों का सुझाव देंगे? (250 शब्द) 12.5

To what extent the DPSP have been implemented? Critically examine it and what types of method would you suggest for their effective implementation? (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत के संविधान निर्माताओं ने राज्य को कल्याणकारी राज्य के रूप में स्थापित करने हेतु एक कुछ संविधान के भाग 4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक नीति निर्देशक तत्वों का प्रावधान किया है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात सरकारों ने नीति निर्देशक तत्वों के क्रियान्वयन हेतु प्रयास किए जिन्हें निम्नलिखित बिंदुओं के अंतर्गत देखा जा सकता है:—

→ नीति निर्देशक तत्वों में वर्णित समान कार्य के लिए समान वेतन सुनिश्चित करने हेतु सरकार ने समान पारिश्रमिक अधिनियम बनाया है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

→ अनु 39-A में वर्णित निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय विधिक सहायता प्राधिकरण का गठन किया।

→ उच्च पोषण एवं स्वास्थ्य सुनिश्चित करने हेतु खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं चिकित्सा संस्थानों की स्थापना की गई।

→ पंचायती राज स्थापित करने के लिए 73 वां एवं 74 वां संविधान संशोधन किया गया।

→ ~~सिविल~~ ~~एवं~~

→ सिविल एवं दाण्डिक मामलों का पृथक्करण किया गया।

उपरोक्त प्रावधान किए जाने के बावजूद भी अभी भी ~~यूनिफ~~ समान नागरिक संहिता, शिक्षा सुनिश्चित करना, सभी को रोजगार उपलब्ध

· बैंकों का राष्ट्रीयकरण
· पूरे देश में पंचायती राज व्यवस्था
· ग्रामीण ... कानून आदि की चर्चा करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

करना इत्यादि नहीं हो पाया है। अतः इन प्रावधानों को लागू करने के लिए सरकार को आम जन में एक चेतना जाग्रत करनी होगी कि वे स्वयं ही समान नागरिक संहिता की वकालत करें। सरकार को स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसे कार्यक्रमों पर खर्च में वृद्धि करनी होगी।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दुबायों को स्पष्ट करना को — प्रांतिक संभावनाओं का व्यापक विश्लेषण
कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के बीच मजबूत समन्वय

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.75	1½	1	0.25	—	0.25	
Grade	B	C	C	B	—	D	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

12. 80वें और 88वें संविधान संशोधन ने केंद्र-राज्य वित्तीय संबंधों को परिवर्तित कर दिया तथा GST ने इसे पुनःपरिभाषित किया है। स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 12.5

The 80th and 88th constitution amendment changed the center- state financial relations and GST has redefined it. Explain. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

80वें और 88वें संविधान संशोधन के माध्यम से ~~अनुच्छेद~~ केंद्र-राज्य वित्तीय संबंधों को परिवर्तित कर दिया था। वस्तुतः इसमें अनुच्छेद 268 में 279 में संशोधन किया गया। इसके अंतर्गत सेवा कर ~~कर~~ एवं अन्य करों का वितरण वित्त आयोग की सिफारिश पर करने का प्रावधान किया गया।

अभी हाल ही ~~है~~ में अनुच्छेद 279-A जोड़ा गया, जिसमें GST परिषद का प्रावधान किया गया है। ~~जिसमें~~ 2/3 सदस्य राज्यों से होंगे और 1/3 सदस्य

संशोधन से पूर्व केन्द्र-राज्य वित्तीय संबंधों को लिखें।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

केंद्र से।

GST में तीन प्रकार के कर आरोपित किए जाते हैं* राज्य GST, केंद्रीय GST तथा एकीकृत GST। राज्य GST एवं केंद्रीय GST से प्राप्त धन का बंटवारा 50% और 50% राज्य एवं केंद्र के बीच होगा।

इसके अतिरिक्त राज्यों को होने वाली हानि के समाधान के लिए केंद्र ने 'सेस' आरोपित करने का प्रावधान किया है। इससे प्राप्त धन राज्यों को प्रदान किया जाएगा।

अतः अब राज्यों के सामने उत्पन्न होने वाली वित्तीय समस्या का समाधान होगा और राज्य वित्तीय रूप से अधिक सशक्त होंगे।

32

GST द्वारा इसे कैसे पुनः परिभाषित किया गया है? और स्पष्ट करें

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1½	1	0.25	—	0.25	
Grade	B	C	C	B	—	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

13. वैश्वीकरण एवं उदारीकरण के इस युग में दिनोंदिन परिपक्व होती भारतीय राजनीति में दबाव समूहों की प्रासंगिकता अब नगण्य हो गई है। आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

In this era of globalization and liberalization the relevance of the pressure groups in Indian politics, which is being matured day by day has became negligible. Critically explain. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वैश्वीकरण एवं उदारीकरण के दौर में राज्य की भूमिका सीमित हो जाती है। ऐसे में माना जाता है कि सभी गतिविधियों को बाजार निर्धारित करते हैं। अतः राजनीति पर दबाव समूहों की भूमिका सीमित हो जाती है।

भारत में अनेक दबाव समूह है जैसे - मजदूर, किसान दबाव समूह, पर्यावरण दबाव समूह इत्यादि। यदि भारत के परिप्रेक्ष्य में बात की जाए तो यह कहना उचित नहीं है कि दबाव समूहों की कोई भूमिका नहीं रह गई है। वर्तमान में भी

दबाव समूह को परिभाषित करें। तथा इसके सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभावों को भी लिखें।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

भारत में सरकार विनियामक की भूमिका में है और दबाव समूह भारत में अपनी मांगे मनवाने के लिए तत्पर रहते है।

भारत में किसान दबावसमूह न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने का दबाव बनाते है और सरकार को उनकी मांग माननी पड़ती है।

इसी प्रकार आर्थिक दबाव समूह जैसे - फिक्की भी सरकारी नीतियों को प्रभावित करता है। पर्यावरण से संबंधित दबाव समूह भी निरंतर पर्यावरण संतुलन हेतु सरकार पर दबाव बनाते रहते है।

क्यों प्रासंगिकता नगण्य हो गई है? इसकी भी स्पष्ट चर्चा करें
S
· विभिन्न दबाव समूहों की हिंसात्मक प्रतिविधियाँ
· पारदर्शिता एवं जवाबदेही का बढ़ना।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अतः यह कहना उचित नहीं है कि भारत में वर्तमान में दबाव समूह की भूमिका नगण्य हो गई है।

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	—	0.25	
Grade	B	C	C	B	—	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

14. निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव आयोग भारतीय लोकतंत्र की गरिमा को सुनिश्चित करने हेतु संवैधानिक एजेंसी के रूप में प्रतिस्थापित है परंतु हाल ही में उभरे अनेक विवादों ने इसकी शक्ति एवं निष्पक्षता के विषय में अनेक सवाल खड़े किये हैं। इन विवादों पर चर्चा करते हुए बताएँ कि चुनाव आयोग को कैसे 'लोकतंत्र के प्रहरी' के रूप में मज़बूत बनाया जाए? (250 शब्द) 12.5

As a constitutional agency fair and independent election commission has established to ensure the dignity of Indian democracy but several controversies emerged recently have raised many questions about its power and fairness. Discuss these controversies and explain that how can the election commission be strengthened as a 'Watchdog of Democracy'? (250 words) 12.5

भारत के संविधान में अनुच्छेद 324 में ~~निर्वाचन~~ निर्वाचन आयोग का प्रावधान किया है। उसे भारत में निष्पक्ष रूप से चुनाव आयोजित करने की शक्ति सौंपी गई है।

चुनाव आयोग की शक्तियों की भी चर्चा करें

किंतु अभी हाल ही में कुछ राजनीतिक दलों ने निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए EVM मशीनों से ~~छे~~ छेड़छाड़ की शिकायत की। इन दलों का मानना था कि EVM में छेड़छाड़ कर केंद्र में सत्ताधारी दल के पक्ष में मत डले गए।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

इस विवाद से निर्वाचन आयोग की साख प्रश्नचिन्हित हुई है। अतः उसे 'लोकतंत्र के प्रहरी' के रूप में मजबूत बनाने के लिए निम्न उपाय करने आवश्यक हैं –

→ निर्वाचन आयोग के अन्य दो आयुक्तों को मुख्य निर्वाचन आयुक्त के समान संवैधानिक सुरक्षा प्रदान की जाए।

→ निर्वाचन आयोग को अपने कर्मचारी नियुक्त करने का अधिकार सौंपा जाए, जिससे गुणवत्तापूर्ण कर्मचारी की नियुक्ति हो सके।

→ निर्वाचन आयोग को आचार संहिता उल्लंघन से संबंधित मामलों में कार्यवाई अधिकार दिया जाए।

अन्य विवादों को भी लिखें।

चुनाव प्रचार का उल्लंघन

चुनावी व्यय का लेखा-परीक्षण

पुनर्नियुक्ति का [illegible] प्रावधान न हो।

वित्तीय स्वायत्तता

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

→ निर्वाचन आयोग अब चुनावों EVM मशीनों VVPAT के उपयोग को प्राथमिकता दे।

→ निर्वाचन आयोग को और ~~अधि~~ के लिए एक अलग से ~~कर~~ सचिवालय स्थापित किया जाए।

अतः हम कह सकते हैं कि लोकतंत्र तभी सफल हो सकता है, जब ~~अब~~ निष्पक्ष चुनाव आयोजित हों। ऐसे में निष्पक्ष निर्वाचन आयोग आवश्यक है।

5½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1½	0.25	—	0.25	
Grade	B	B	C	B	—	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. अनुसूचित जाति उप-योजना एवं जनजातीय उप-योजना दो नीतिगत साधन हैं जो स्पष्ट रूप से अतीत के अनावश्यक पदानुक्रमों को समाप्त करने, अनुसूचित जाति/जनजाति के सशक्तीकरण में तेज़ी लाने और न्यायसंगत समाज के दृष्टिकोण को स्पष्ट करने के लिये तैयार हैं। आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Scheduled cast sub-plan and tribal sub-plan are two policy instruments which are clearly ready to eliminate the redundant hierarchies of the past, to accelerate the empowerment of schedule castes/tribes and to clarify the vision of the equitable society. Critically explain. (250 words) 12.5

अनुसूचित जाति उप-योजना एवं जनजातीय उप-योजना, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों के कल्याण हेतु समर्पित योजना है।

भारत में अभी भी SC/ST की सामाजिक आर्थिक स्थिति सुदृढ़ नहीं है। भारत में आज भी इन्हें छुआछूत का सामना करना पड़ता है। बेगार के शिकार हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, आवास जैसी मूलभूत सुविधाएं भी

SC एवं ST से संबंधित विभिन्न संवैधानिक सुरक्षा उपायों को लिखें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

उपलब्ध नहीं है।

ये दोनों योजनाएं SC/ST के समावेशी विकास को आगे बढ़ा रही थी।

योजनाओं के नामों तथा कमियों को स्पष्ट करें।

इन योजनाओं के अंतर्गत SC/ST को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिससे वे स्वरोजगार से जुड़ सके। इन योजनाओं से उन्हें शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएँ प्राप्त होती है। आवास को सुविधा प्राप्त होती है।

वस्तुतः किसी भी लोकतांत्रिक समाज की पहचान होती है कि उस देश में वहां के सभी वर्गों का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

समावेशित विकास हो रहा है या नहीं। अतः भारत में सामाजिक एवं आर्थिक न्याय स्थापित करने हेतु अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति को मुख्य धारा में लाना आवश्यक है।

(3)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	—	0.25	—
Grade	D	C	C	B	—	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

16. सार्वजनिक संस्थाएँ समाज में अंतिम छोर तक न्याय सुनिश्चित करने हेतु एक सेतु की तरह कार्य करती हैं; परंतु कमज़ोर होती ये संस्थाएँ भारतीय सामाजिक न्याय व्यवस्था को और कमज़ोर कर रही हैं। चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 12.5

To ensure justice till the end, public institutions work like a bridge in the society; but these weakening institutions are making the Indian social justice system more weaker. Discuss. (250 words) 12.5

सार्वजनिक संस्थाएँ जैसे गैर सरकारी संगठन, सिविल सोसायटी, स्वयं सहायता समूह, मानवाधिकार आयोग, महिला आयोग, अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग इत्यादि कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए कार्य करती है और उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाने का प्रयास करती है।

- पुलीस
- नौकरशाह
- न्यायपालिका
- RBI
- TRAI
- SEBI
- चुनाव आयोग

ये संस्थाएँ सामाजिक न्याय स्थापित करने में कैसे सहायक है —

→ ये वित्तीय सहायता उपलब्ध करती है। जिससे इनका विकास होता है।

→ ये समाज के वंचित वर्ग

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

को उनके अधिकारों से परिचित कराते हैं। और उन्हें अधिकारों के प्रति सजग करते हैं।

→ ये संस्थाएँ इन वर्गों के अधिकारों के संरक्षण का कार्य करते हैं।

→ ये संस्थाएँ इनके विरुद्ध होने वाले शोषण को रोकने में भी सहायक हैं।

किंतु वर्तमान में इन संस्थाओं की कमजोरी से समाज के अति संवेदनशील वर्ग जैसे - SC/ST, महिला, बच्चों, वृद्ध इत्यादि का संरक्षण प्रभावित हो रहा है और के एक समावेशित समाज की स्थापना में बाधा उत्पन्न हो रही है। सामाजिक न्याय भी स्थापित नहीं हो पा रहा है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि भारत में सामाजिक न्याय स्थापित करने के लिए सार्वजनिक संस्थाओं को मजबूत करना आवश्यक है।

1/2

प्रश्न की मांग के अनुसार उत्तर की ओर स्पष्ट चर्चा करें।

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks		1/2	1/2	0.18			
Grade		D	D	B			

Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. चर्चा कीजिये कि स्वराजवादी, परिषद को राजनीतिक संघर्ष का मैदान बनाने में कहाँ तक सफल हुए तथा परिषद में प्रवेश न करने के संबंध में अपरिवर्तनवादियों के क्या तर्क थे? स्वराज दल के पतन के कारणों को लिखें। (250 शब्द) 12.5

Discuss how far Swarajists were successful in making council as an arena for political struggle and what were the arguments of No-changers against council entry? Write down the cause to the decline of Swaraj Party. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

असहयोग आंदोलन की समाप्ति के पश्चात कांग्रेस दो गुटों में विभाजित हो गया। एक गुट जो परिवर्तनवादी था, जो परिषद के निर्वाचन में भाग लेना चाहता था। इसका नेतृत्व सी. आर. दास, मोती लाल नेहरू कर रहे है। वहीं दूसरा गुट अपरिवर्तनवादी था, इसका नेतृत्व सी. राजगोपालाचारी राजेन्द्र प्रसाद कर रहे थे।

अपरिवर्तनवादी गुट का मानता था कि उसे परिषद में शामिल नहीं होना चाहिए, क्योंकि ~~उसमें~~ ये संस्थाएं औपनिवेशिक

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

हितों से परिचालित है। परिषद को अधिकार प्राप्त नहीं है। अतः कांग्रेस को रचनात्मक कार्यक्रम को प्राथमिकता देते हुए ब्रिटिश शोषण का विरोध करना चाहिए।

वहीं परिवर्तनवादी परिषद में शामिल होकर ब्रिटिश शोषण का विरोध करना चाहते थे। इसी क्रम में परिवर्तनवादी निर्वाचित हुए। इनने परिषद में अनेक कल्याणकारी कार्य किए। इन्होंने 'सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक' को पारित होने से रोका, बंदियों को रिहा कराया, ब्रिटिश सरकार की सदन में आलोचना की इत्यादि।

अन्य उपलब्धियों की भी चर्चा करें
↓
द्वैध शासन के खोखलेपन को उजागर करना

पतन के कारणों को भी लिखें

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अतः परिवर्तनवादी असहयोग आंदोलन के पश्चात उत्पन्न हुई रिक्तता को भरने में सफल रहे और भारत में ब्रिटिश के विरुद्ध एक जनमत तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

3½

- असली मतभेद
- सत्ता सुख की लालसा
- साईमन कमीशन की नियुक्ति

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1½	1	0.25		0.25	
Grade	B	C	C	B	—	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

18. स्वातंत्र्योत्तर भारत में विकास का असमान वितरण लोगों के असंतोष का प्रमुख कारण है तथा उग्र आंदोलनों को जन्म देता है। पुष्टि कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Inequitable distribution of development in post independence era is the major reason of dissatisfaction of people and led to violent movements. Substantiate. (250 words) 12.5

स्वतंत्रता के पश्चात संसाधनों का उचित वितरण नहीं किया गया। भूमि सुधार लागू नहीं किया गया, सभी क्षेत्रों के समावेशी विकास को प्राथमिकता नहीं दी गई और समाज एक वर्ग विकास से उपेक्षित ~~होता~~ रहा।

भारत में यदि हम ~~नक्सल~~ नक्सलवाद पर चर्चा करें, तो इसकी उत्पत्ति का मूल कारण भूमि सुधार का उचित क्रियान्वयन का न होना है।

इसी प्रकार विकास के नाम

असमान वितरण के कारणों को लिखें।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

जनजातियों का शोषण किया जा रहा है। उन्हें विकास का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा। वे आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं जिससे ~~समाज~~ उनमें भी नक्सलवाद को लेकर सकारात्मक अभिवृत्ति है।

सभी क्षेत्रों का समान विकास न होने के कारण आज उत्तर पूर्व के लोगों में अलगाववाद उत्पन्न हो रहा है।

वर्तमान में असमानता की स्थिति और भयावह है। भारत ~~की~~ के कुल संसाधनों के 58% भाग भारत शीर्ष 1% धनी लोगों का अधिकार है। अत: यदि हमें वास्तविक लोकतंत्र स्थापित करना है, तो संसाधनों के न्यायपूर्ण

कैसे कुछ वर्ग एवं क्षेत्र विकास के लाभ से वंचित रह गए? त्वरित चर्चा करें।

अन्य आन्दोलनों को भी लिखें।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

वितरण को प्राथमिकता देते हुए समावेशी विकास पर बल देना होगा।

प्रश्न की मांग के अनुसार उत्तर की और स्पष्ट चर्चा करें।

2

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1	1/2	0.25	—	—	—
Grade	—	C	D	B	—	—	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. "गांधी एक राजनीतिज्ञ, संगठनकर्त्ता, मनुष्यों के नेता और नैतिक सुधारक के रूप में महान हैं, परंतु वह मनुष्य के रूप में उससे भी अधिक महान हैं क्योंकि ये सभी पक्ष उनकी मानवता को सीमित नहीं करते।" गांधी जी के संदर्भ में कहे गए उपर्युक्त कथन का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Gandhi is great as a politician, organiser, leader of people and as a moral reformer but he is greater than all these as a man because none of these aspects limits his humanity." Analyse the above statement in the context of Gandhiji. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गांधी जी एक महान राजनीतिज्ञ एव संगठनकर्ता थे। ~~उन्होंने~~ भारत में आने के पश्चात गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन में आम जन की भागीदारी बढ़ाई। उन्होंने सत्य, अहिंसा जैसे सिद्धांतों के बल पर ब्रिटिश सत्ता को डिगा दिया। उनके असहयोग आंदोलन ~~एवं~~ सविनय अवज्ञा आंदोलन एव भारत छोड़ो आंदोलन में ~~भारत~~ बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी और इन आंदोलनों

गांधी जी द्वारा निभाई गई भूमिकाओं की ओर ~~स्पष्ट~~ चर्चा करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

की सफलता गांधीजी को एक महान संगठनकर्ता एवं ~~राजनीतिज्ञ~~ के रूप में ~~स्थापित~~ करते हैं।

किंतु उनका सबसे बड़ा गुण मानवता एवं नैतिकता संबंधी थी। उन्होंने अपने 'सात पाप' में लोगों के लिए उच्च नैतिक मापदण्ड ~~स्थापित~~ किए।

संबंधित तथ्यों को भी लिखें।

तो वहीं मानवता के कल्याण के लिए इन्होंने सर्वोदय, ~~अन्त्योदय~~ जैसी कार्यक्रमों पर बल दिया। इनका मानना था कि व्यक्ति को ऐसा कोई भी कार्य नहीं करना चाहिए, जो मानवता के विरुद्ध हो। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण एवं

ट्रस्टीशिप व्यवस्था के सिद्धांत को भी स्पष्ट करें।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेलः helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुकः facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पशुओं के कल्याण की भी बात की।

गांधी जी के विचारों की प्रगतिशीलता का ही परिणाम है कि वर्तमान में भी इनके प्रविचार प्रासंगिक बने हुए हैं।

(4)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1	0.25	—	0.5	
Grade	B	B	C	B	—	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

20. "अंग्रेज़ों द्वारा किये गए समाज सुधार का मुख्य उद्देश्य सामाजिक कुरीतियों को दूर करना तथा महिलाओं के हितों के लिये त्याग की भावना जगाना था।" आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये। 12.5

"Social reforms, initiated by the British were aimed to eradicate social evils and arouse a sense of sacrifice for the interests of women." Critically evaluate. 12.5

अंग्रेजों ने भारत में कानून बनाकर अनेक कुरीतियों को समाप्त किया। 1829 में सती प्रथा की समाप्ति की गई, 1842 में दास प्रथा की, 1856 में विधवा पुनर्विवाह लागू किया गया। विवाह हेतु न्यूनतम आयु का प्रावधान किया गया।

19वीं सदी की शुरुआत में विधवा सामाजिक स्थिति को भी चर्चा करें।

इसी संदर्भ में कहा जाता है कि अंग्रेजों ने महिलाओं के हितों में काम किया। किंतु किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले विश्लेषण आवश्यक है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

वस्तुत: अंग्रेजों के ये सभी कृत्य औपनिवेशिक हितों से परिचालित थे। अंग्रेज 'श्वेत लोगों के भार के सिद्धांत' पर कार्य कर रहे थे। इनका मानना था कि अंग्रेज अश्वेतों एवं भारतीयों को सभ्य बनाने के लिए पैदा हुए है।

इसके साथ ही वह भारत के मध्यवर्ग के बीच अपने आपको को स्थापित करना चाहते थे जिससे इनकी अंग्रेजों को सहायता मिलती है।

इसके अतिरिक्त अंग्रेज विश्व में अपने शोषणकारी स्वरूप को छिपाने के लिए यह

सुधारों की विस्तृत चर्चा करें तथा अन्य सुधारों को भी लिखें। महिला शिक्षा, कन्या भ्रूण हत्या की समाप्ति

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

सुधार कर रहे थे।

यद्यपि ये सुधार औपनिवेशिक हितों से परिचालित थे। किंतु इनसे भारत में महिलाओं की स्थिति में सुधार आया

(3)

कृपया इस स्थान पर कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1½	1	0.25	—	0.25	✓
Grade	—	C	C	B	—	B	✓

Feedback

Questions .....

Model Answer & Answer Structure .....

Evaluation .....

Staff .....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation